इसलिये इसको हम बराबर नहीं मानते। लेकिन चूंकि स्टैंडर्ड हमारा काफी अच्छा है और उस का मुकाबिला करता है, इसलिये यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन से फिर दरख्वास्त की जा रही है कि वह अपने निर्णय पर पुन: विचार करे।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या इस कोर्स में कुछ तबदीली करने का विचार है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : यूनेस्को ने 'एजुकेशन आन लाइब्रेरीज़' पर जो सिफारिश की थी उस के मुताबिक इस के कोर्सेज़ हैं और जहां तक हमारा ख्याल है काफी अच्छा इस का स्टैंडर्ड है।

DR. RAGHUBIR SINH: I want to know how these courses compare with the other university courses as regards standard as well as in the length of the training.

DR. K. L. SHRIMALI: As I said, this is a part-time course whereas the universities provide full-time courses. Our own feeling is that the standards attained by these students can be compared very favourably with the courses offered by the universities.

DR. D. H. VARIAVA: Who are eligible for admission to this Government course?

DR. K. L. SHRIMALI: All kinds of people are eligible, but normally most of the librarians employed in the Government departmental libraries attend the course.

DR. RAGHUBIR SINH: I want to know the exact period for which these candidates are trained in this Government course?

DR. K. L. SHRIMALI: For one academic year. That is the duration of the course.

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : इस समय भारत में कितनी गवर्नमेंट की लाइब्रेरीज़ हैं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : यह तो बिलकुल दूसरा प्रश्न है। इस के लिये अलग से प्रश्न कीजिये।

यौगिक क्रियाओं के सम्बन्ध में अनुसंधान

२४७. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या शिक्षा मंत्री अपने मंत्रालय की १९५४-५५ की रिपोर्ट के पृष्ठ ७३ पर कंडिका २ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि यौगिक क्रियाओं की गवेषणा के विस्तार की जो योजनायें विचाराधीन हैं, उन का विवरण क्या है, उन पर सरकार ने अब तक क्या निर्णय किया है और इस दिशा में कितनी प्रगति हुई है ?

†[RESEARCH IN YOGIC SYSTEM.

*247. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to refer to para 2 at page 73 of the Report of his Ministry for 1954-55 and state the details of the schemes under consideration for the expansion of research in the Yogic system, the decisions so far taken on them and the progress made in that direction?

शिक्षा उपमंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली) : सरकार योगासनों में अनुसंधान का विस्तार करने की अपनी वर्तमान नीति के अनुसार कैवल्यधाम श्रीमन् माधवा योग मन्दिर समिति लोनवला (पूना) को योग में वैज्ञानिक तथा साहित्यिक अनुसंधान करने के लिये आर्थिक सहायता देती रही है।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): In accordance with the present policy of promotion of research in Yogic Physical Culture the Government have been rendering financial assistance for scientific and literary research in Yoga to the Kaivalyadhama Shreeman Madhave Yoga Mandir Samiti Lonavla, (Poona).]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार ने इस बात की जांच की है कि ये योगासन शारीरिक शिक्षा के लिये उपयोगी हैं या नहीं ?

†English translation.

डा० के० एल० श्रीमाली : जांच की गई थी और ये उपयोगी है, इसी दृष्टि से सरकार सहायता दे रही है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : यदि यह पता लगा है कि ये उपयोगी है तो क्या दूसरे केन्द्रों में इन के फैलाव के लिये सरकार कोशिश कर रही है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : अभी तो इस में रिसर्च हो रही है और भारत सरकार चूंकि इस रिसर्च को उपयोगी समझती है, इस दृष्टि से इस संस्था को सहायता दे रही है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार का यह ख्याल है कि इन यौगिक क्रियाओं पर जो अनादि काल से होते चले आ रहे हैं रिसर्च नहीं हुई है और इसलिये रिसर्च करने की आवश्यकता पड़ी है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : रिसर्च का कोई अन्त नहीं होता है । जब तक इंसान ज़िन्दा रहता है तब तक बराबर रिसर्च करता रहता है ।

श्री रतनलाल किशोरीलाल मालवीय : क्या मैं जान सकता हूं कि क्या सहायता दी जा रही है और कब से दी जा रही है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : सहायता इस प्रकार दी जा रही है :

	Rs.
1949-50 . .	20,000
1950-51 . . .	7,500
1951-52 . . .	5,000
1952-53 . . .	10,000
1953-54 . . .	18,000
1954-55 . . .	18,000
1954-55—	
For literary research in Yoga	5,000
For the improvement and re-organisation of the research laboratory .	37,000
1955-56—	
For Scientific research in Yoga	18,000

इस के अलावा और भी उन की कुछ योजनायें हैं जिन पर सरकार विचार कर रही है ।

श्री त्रि० दा० पुस्तके : क्या इस संबंध में कोई साहित्य प्रकाशित किया गया है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस के लिये नोटिस चाहिये ।

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : क्या सरकार ने इसकी कोई जांच करवाई है कि हिन्दुस्तान में योग सम्बन्धी सारी व्यवस्था करने के लिये कितनी संस्थायें हैं ?

डा० के० एल० श्रीमाली : जहां तक सरकार का सम्बन्ध है सरकार अखिल भारतीय संस्थाओं को ही सहायता दे सकती है । सरकार की दृष्टि में यह संस्था अखिल भारतीय समझी गई है । अभी हाल में एक दूसरी संस्था योगाश्रम, जो मन्दिर लेन, नई दिल्ली, में है, उस को पांच हज़ार रुपये दिये गये हैं ।

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : यह योगाश्रम जोकि मन्दिर लेन, नई दिल्ली में है वह कितने वर्षों से दिल्ली में काम कर रहा है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इसके लिये मुझे नोटिस चाहिये ।

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : यह जो संस्था है, कैवल्यधाम श्रीमन माधवा योग मन्दिर समिति लोनवला, उस में कितने विद्यार्थियों ने सरकार की सहायता से लाभ उठाया है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इस के लिये भी मुझे नोटिस चाहिये ।

डा० श्रीमती सीता परमानन्द : क्या लोनवला की जो संस्था है उस की अनेक शाखायें नहीं है, जैसा कि बम्बई में है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : लोनवला की संस्था के बारे में प्रश्न उठाया गया

था । अब माननीय सदस्या दूसरी संस्थाओं के बारे में सवाल उठाती हैं तो इस के लिये मुझे नोटिस चाहिये ।

श्री कन्हैयालाल दौ० वैद्य : क्या इन यौगिक क्रियाओं के अनुसंधान के लिये बम्बई एक उचित स्थान है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : मैंने निवेदन किया कि सरकार ने इस सम्बन्ध में पूरी जांच की एक कमेटी बैठाई गई थी और उस ने जांच की । जांच के बाद ही इस निर्णय पर पहुंचा गया कि इस संस्था को यौगिक रिसर्च के लिये उपयुक्त समझा जाय और इस दृष्टि से ही इस संस्था को सहायता दी जा रही है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी ने जा कर के नई दिल्ली का जो योगाश्रम है उस का निरीक्षण किया है और अगर नहीं किया है तो क्या वह अपने कर्मचारियों के साथ जा कर के उस का निरीक्षण करेंगे ?

डा० के० एल० श्रीमाली : मिनिस्टर के लिये यह तो सम्भव नहीं है कि वह सभी संस्थाओं को देख सके परन्तु यदि मुझे अवसर मिलेगा तो मैं देखूंगा ।

श्री राघवेन्द्र : क्या बम्बई सरकार से भी कुछ मदद मिलती है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : बम्बई सरकार क्या मदद देती है इस की सूचना तो मेरे पास नहीं है ।

सामुदायिक परियोजना-क्षेत्रों के लिये लोकप्रिय साहित्य

*२४८. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लोकप्रिय साहित्य को प्रोत्साहन देने की योजना के अधीन सरकार ने कितनी पुस्तकें खरीद कर सामुदायिक परियोजना क्षेत्रों में बंटवाई हैं ;

(ख) ये पुस्तकें किन भाषाओं में थीं और इन के वितरण पर हर राज्य में अब तक कितना खर्च हुआ है : और

(ग) क्या इस योजना को और विस्तृत करने का विचार है ?

†[POPULAR LITERATURE FOR COMMUNITY PROJECT AREAS

*248. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:

(a) the number of books purchased and distributed by Government in Community Project areas under their scheme of "Encouragement of Popular Literature";

(b) the languages in which these books were written and the expenditure incurred so far on their distribution in each State; and

(c) whether the scheme is proposed to be expanded further?]

शिक्षा उपमंत्री (डा० के० एल० श्रीमाली) : (क) उन ३२ पुस्तकों में से जिन्हें १९५४ में पुरस्कार मिला था प्रत्येक की १,००० प्रतियां अब तक खरीद कर बांट दी गई हैं ।

(ख) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

(ग) नहीं ।

विवरण

सामुदायिक परियोजना क्षेत्रों में बांटी गई पुस्तकों की भाषा तथा उनके वितरण पर व्यय

(१) वे भाषायें जिन में पुस्तकें खरीद कर बांटी गई हैं निम्न हैं :—

असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, मराठी, मैथिली, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तामिल, तेलुगू और उर्दू ।

†English translation.